मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 01 मई 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	01-05-14	02-05-14	03-05-15	04-05-15	05-05-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	42	42	43	43	44
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	26	27	27	28	28
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	41	40	35	32	30
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	11	13	9	10	12
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	5	11	14	12	10
हवा की दिशा	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

सिंचित कपास की बुवाई का सही समय 10 मई से 31 मई है। अतः कपास की बुवाई हेतु एक बार मिट्टी पलटने वाले हल से तथा बाद में हैरो से 2–3 बार जुताई कर खेत तैयार करें और प्रमाणित उन्नत बीजों की व्यवस्था करें।

कुष्माण्ड कुल की सब्जियों में लाल मकड़ी का प्रकोप दिखाई देने पर इसके नियन्त्रण हेतु प्रोपारजाईट 57 ई.सी. 1 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

बैंगन एवं टमाटर की फसल में फल एवं तना छेदक कीट के नियंत्रण हेतु ऐसीफेट 75 एस.पी. 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

इस मौसम में पशुओं में जल व लवण की कमी, भूख कम होना एवं उत्पादन में कमी, गर्मी के प्रमुख प्रभाव होते हैं। अतः पशुओं को अत्यधिक धूप व लू से बचाने के उपाय करें।